दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, बुधवार 01 दिसंबर 2021 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-04, अंक- 64

महत्वपूर्ण एवं खास

आर. हरि कुमार ने संभाला नौसेना प्रमुख का पदभार

नई दिल्ली (आरएनएस)। एडमिरल आर. हरि कुमार ने आज नौसेना प्रमुख का पदभार संभाल लिया। एडमिरल आर. हरि कुमार ने नए नौसेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालने पर अपनी मां से आशीर्वाद लिया और उन्हें गले लगाया। उन्होंने 30 नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे एडमिरल करमबीर सिंह का स्थान लिया। हरि कुमार वाइस एडमिरल के रूप में कार्यभार संभालने से पहले एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय की एकीकृत स्टाफ समिति के प्रमुख थे। 12 अप्रैल 1962 को जन्मे वाइस एडमिरल कुमार को 1 जनवरी 1983 को भारतीय नौसेना की कार्यकारी शाखा में कमीशन दिया गया था। लगभग 39 वर्षों की अपनी लंबी और विशिष्ट सेवा के दौरान वाइस एडमिरल ने विभिन्न कमांड, स्टाफ और निर्देशात्मक पदों पर काम किया है।

मणिपुर की जिरीबाम-इंफाल रेल लाइन पर बनेंगी 49 सुरंगे, यात्री सुरंगों से करेंगे आधा सफर

नई दिल्ली (आरएनएस)। मणिपुर में बनाई जा रही जिरीबाम-इंफाल रेल लाइन पर यात्री ट्रेनें आधा सफर सुरंगों के भीतर पूरा करेंगी। इस रेल लाइन की कुल लंबाई 110 किलोमीटर है और आधे से अधिक हिस्से करीब 62 किलोमीटर में सुरंगें बनाने के लिए खुदाई हो रही है। इस रेल लाइन पर सगाइथल सुरंग 10 किलोमीटर से अधिक लंबी है, जोकि पूर्वोत्तर भारत की सबसे लंबी सुरंग है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे की इस महत्वपूर्ण जिरीबाम-इंफाल रेल लाइन परियोजना पर कुल 46 सुरंगें बनाई जा रही हैं। सुरंग बनाने के लिए रेलवे करीब 62 पहाड़ों की खुदाई कर रही है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि 56.68 फीसदी खुदाई का काम पूरा किया जा चुका है। रेल लाइन के सगाइथल स्थान पर बनाई जा रही सुरंग 10.28 किलोमटर लंबी है। जोकि पूर्वोत्तर की सबसे लंबी सुरंग है। मुख्य अभियंता संदीप शर्मा ने बताया कि इस रेल मार्ग पर यात्री ट्रेनें आधी दूरी सुरंगों के माध्यम से पूरी करेंगी। उन्होंने बताया कि इस मार्ग पर कुल 10 रेलवे स्टेशन होंगे। इस परियोजना पर छोटे-बड़े 151 रेल पुलों का निर्माण किया जा रहा है। परियोजना पर कुल 14,322 करोड रुपये की लागत आएगी।

भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर अमित शाह बिताएंगे रात, बीएसएफ जवानों का बढ़ाएगा हौसला

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 4 दिसंबर को राजस्थान में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास एक रात बिताएंगे। शाह 4 से 5 दिसंबर के बीच राजस्थान की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान बीएसएफ कर्मियों के साथ रहेंगे। गृह मंत्री चार दिसंबर को जैसलमेर जाएंगे और क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात बीएसएफ के जवानों से मुलाकात करेंगे। अमित शाह की जैसलमेर यात्रा पहली बार वहां मनाए जा रहे बीएसएफ के 57वें स्थापना दिवस समारोह के समय हो रही है। सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री चार दिसंबर को जैसलमेर पहुंचकर देश की पश्चिमी सीमा पर सुरक्षा की समीक्षा करेंगे और बीएसएफ जवानों द्वारा की जा रही रात्रि गश्त पर करीब से नजर रखेंगे। वह क्षेत्र में एक सीमा चौकी पर बीएसएफ जवानों के साथ एक रात भी बिताएंगे।

ओमिक्रोन की दहशत के बीच अफ्रीकी देशों से मुंबई पहुंचे 1,000 यात्री, सिर्फ 100 की हुई टेस्टिंग

मुंबई (आरएनएस)। दुनिया भर में कोरोना के नए ओमिक्रॉन वैरिएंट की दहशत के बीच मुंबई का एक आंकड़ा डराने वाला है। शहर में बीते 15 दिनों में अफ्रीकी देशों से 1,000 लोग आए हैं। द. अफ्रीका में ही ओमिक्रॉन वैरिएंट का पहला मामला पाया गया है और उसके बाद कई अन्य अफ्रीकी देशों में इसका विस्तार हुआ है। ऐसे में मुंबई में करीब 1,000 यात्रियों का अफ्रीकी देशों से आना चिंताओं को बढ़ाने वाला है। बीएमसी के अतिरिक्त कमिश्नर सुरेश काकानी ने कहा कि कुल 466 लोगों की लिस्ट अब तक मिली है, जिनमें से 100 का टेस्ट किया गया है। सोमवार को ही विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा था कि ओमिक्रॉन वैरिएंट का रिस्क काफी ज्यादा है और इसे लेकर सावधान रहने की जरूरत है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि यह वैरिएंट रूप बदलने में माहिर है और इससे दुनिया भर में बड़ा संकट पैदा हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र की हेल्थ एजेंसी ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका में कुछ दिन पहले ही इस वैरिएंट का पहला मामला देखने को मिला था और अभी इस बारे में कुछ जानकारी जुटाई जा रही है। बीएमसी के अतिरिक्त कमिश्नर काकानी ने कहा कि एयरपोर्ट अथॉरिटी ने हमें बीते 15 दिनों में अफ्रीकी देशों से 1,000 यात्रियों के आने की जानकारी दी है। लेकिन अब तक सिर्फ 466 लोगों की ही लिस्ट हमें दी गई है। उन्होंने कहा कि इन 466 में से 100 लोग मुंबई में हैं। हमने उनके सैंपल ले लिए हैं। उनकी रिपोर्ट जल्दी ही आ जाएगी। इससे यह क्लियर हो जाएगा कि वे कोरोना से संक्रमित हैं या नहीं।

बीएमसी आयुक्त बोले- पॉजिटिव लोगों की होगी जीनोम सीक्वेंसिंग- उन्होंने कहा कि यदि इन लोगों की रिपोर्ट निगेटिव आती है तो कोई दिक्कत नहीं है। लेकिन जिन लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आएगी, उनकी जीनोम सीक्वेंसिंग कराई जाएगी। बता दें कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी इस वैरिएंट की पहचान के लिए जीनोम सीक्वेंसिंग जरूरी बताया है। उन्होंने कहा कि भले ही संक्रमित यात्रियों में लक्षण नजर आएं या फिर नहीं, उन्हें सरकारी कोरोना केंद्रों में भेजा जाएगा। फिलहाल बीएमसी ने मुंबई के सभी 5 कोविड अस्पतालों और अन्य सुविधाओं को तैयार रखा है ताकि किसी भी स्थिति से निपटा जा सके।

संसद में बोले हेल्थ मिनिस्टर- 14 देशों में मिले ओमिक्रॉन वैरिएंट के मामले- इस बीच हेल्थ मिनिस्टर मनसुख मांडविया ने संसद में कहा कि अब तक दुनिया भर के 14 देशों में ओमिक्रॉन वैरिएंट के केस पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि इससे बचाव के लिए मंथन चल रहा है। फिलहाल एयरपोर्ट्स पर स्क्रैनिंग के लिए नए नियम लागू किए गए हैं। यही नहीं इंटरनेशनल ट्रैवलर्स के लिए गाइडलाइंस भी जारी की गई है।

सीएम योगी और किसान नेता को देवबंद से पत्र भेज जान से मारने की खुली धमकी, एफआइआर दर्ज

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भारतीय किसान मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी को पत्र के माध्यम से जान से मारने की धमकी दी गई है। देवबंद से भेजे गए धमकी भरे पत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी मार डालने की बात लिखी गई है। खास बात ये है कि लिफाफे पर प्रेषक का नाम, पता और मोबाइल नंबर भी लिखा है।

इससे पहले भी लखनऊ में धार्मिक स्थलों को बम से उड़ाने की धमकी भरे पत्र भेजे गए थे। देवेंद्र तिवारी की तहरीर पर पुलिस ने आलमबाग कोतवाली में एफआइआर दर्ज की है। भेजे गए पत्र में देवेंद्र तिवारी को संबोधित कर लिखा है कि तुमने गौशाला और गौरक्षा के नाम पर हम लोगों को परेशान कर रखा है। इसका अंजाम बहुत बुरा होगा। अगर नहीं सुधरे तो ऐसा हश्र करेंगे, जो किसी ने कभी किसी का नहीं किया होगा।

मेरा नाम मोहम्मद अजमल है, तू मेरा कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा। आज से तेरी उल्टी गिनती शुरू हो गई है। पत्र में लिखा है कि मुख्यमंत्री के पास सुरक्षा रहती है नहीं तो उन्हें भी उड़ा दिया होता। पत्र भेजने वाले ने गौशाला का सर्वे बंद करने की बात लिखी है। आरोपित ने रंजीत बच्चन और कमलेश तिवारी हत्याकांड का भी जिक्र किया है और लिखा है कि इन दोनों की तरह तुम्हारी भी हत्या कर देंगे। किसान नेता समेत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी का पत्र मिलने के बाद से पुलिस ने आरोपित की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस की प्राथमिक छानबीन में सामने आया है कि पत्र उन्नाव के डाक घर से भेजा गया है। हालांकि इस पर पता देवबंद का लिका है। पुलिस कई पहलुओं पर मामले की पड़ताल कर रही है।

विजय माल्या केस में 18 जनवरी को आखिरी सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। विजय माल्या के खिलाफ अवमानना के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अहम घोषणा की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि विजय माल्या को जिस मामले में भगोड़े कारोबारी विजय माल्या को दोषी ठहराया गया है उस पर 18 जनवरी 2022 को अंतिम सुनवाई की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में हम पर्याप्त इंतजार कर चुके हैं, अब इससे ज्यादा और प्रतीक्षा नहीं की जा सकती। विजय माल्या के खिलाफ अवमानना के इस मामले का किसी न किसी स्तर पर निपटारा करना ही होगा। अब इस प्रक्रिया को समाप्त हो जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता जयदीप गुप्ता से न्याय मित्र के रूप में सहायता करने का अनुरोध किया। साथ ही अदालत ने कहा कि विजय माल्या अभिवेदन को आगे बढ़ाने के लिए स्वतंत्र हैं। अगर वह मौजूद नहीं है, तो उसकी ओर से वकील बहस कर सकता है।

अदालत ने कहा कि हम हमेशा के लिए विजय माल्या का इंतजार नहीं कर सकते हैं। कोर्ट ने माल्या को पेश होने का निर्देश दिया था, लेकिन वह हाजिर नहीं हुआ था। इससे पहले कोर्ट ने इस केस में 2017 के फैसले पर माल्या की पुनर्विचार की याचिका भी खारिज कर दी थी। इस मामले में माल्या को न्यायिक आदेशों का उल्लंघन करके बच्चों को चार करोड़ अमेरिकी डॉलर भेजने के लिए अवमानना का दोषी ठहराया गया था।

इस साल 15 नवंबर तक आतंकी हमलों में 40 नागरिक की मौत : केंद्र

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने मंगलवार को संसद को सूचित किया कि इस साल 15 नवंबर तक जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से संबंधित घटनाओं में 40 नागरिक मारे गए और 72 घायल हुए हैं। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में एक सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने यह भी कहा कि 15 नवंबर तक इस तरह की घटनाओं में जम्मू-कश्मीर पुलिस समेत सुरक्षा बलों के 35 जवान शहीद हुए और 86 घायल हुए।

मंगलवार को लोकसभा में सदन की कार्यवाही के दौरान केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने जम्मू कश्मीर में नागरिकों को आतंकवाद विरोधी अभियानों से बचाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की भी जानकारी दी। राय ने कहा कि इस साल 15 नवंबर तक आतंकी घटनाओं में 40 नागरिक मारे गए और 72 लोग घायल हुए। जबकि इस तरह की घटनाओं में राज्य पुलिस समेत 35 जवान शहीद हुए जबकि 86 लोग घायल हुए। उन्होंने सरकार की ओर से की गई कार्रवाई के बारे में बताते हुए कहा कि आतंकवादियों के खिलाफ सक्रिय अभियान, जमीनी कार्यकर्ताओं/आतंकवाद के समर्थकों की पहचान और गिरफ्तारी, प्रतिबंधित संगठनों के सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई, नाकों पर रात की गश्त और जांच, उचित तैनाती के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था, सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय बैठकें, उच्च स्तर की सतर्कता शामिल हैं। साथ ही बलों द्वारा सुरक्षा बनाए रखना और आतंकी फंडिंग के मामलों में कानूनी कार्रवाई शामिल है।

मणिपुर में हुई घटना के बारे में बात करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा, मणिपुर में नक्सलियों ने 13 नवंबर 2021 को चुराचांदपुर जिले में भारत-म्यांमार सीमा पर असम राइफल्स के काफिले पर घात लगाकर हमला किया, जिसमें पांच कर्मियों सहित सात लोगों की मौत हुई। इसके अलावा इस घटना में असम राइफल्स के छह जवान भी घायल हुए।

भारतीय मूल के पराग अग्रवाल ट्विटर के बने नए सीईओ

नई दिल्ली (आरएनएस)। सोशल मीडिया साइट ट्विटर के सह संस्थापक जैक डोर्सी ने सीईओ के पद से इस्तीफा देकर कंपनी छोड़ दी है. उनकी जगह भारतीय मूल के पराग अग्रवाल को नियुक्त किया गया है. कौन हैं पराग अग्रवाल 37 साल के पराग अग्रवाल ट्विटर के नए सीईओ होंगे. वह जैक डोर्सी की जगह लेंगे जिन्होंने पद और कंपनी दोनों छोड़ने का ऐलान किया. इसके साथ ही दुनिया की सबसे नामी कंपनियों का नेतृत्व कर रहे भारतीयों की सूची में एक और नाम शामिल हो गया. पराग अग्रवाल ने पर्दे के पीछे से एकाएक इस अहम भूमिका में पदार्पण किया है. हालांकि संभव है कि उनकी सशक्त तकनीकी क्षमता और उनके नाम पर कोई विवाद ना होना ही उनके पक्ष में गया हो. क्यों चुने गए अग्रवाल भारतीय मूल के प्रवासी अग्रवाल अब तक कोई बहुत ज्यादा खबरों में नहीं रहे हैं. हालांकि वह 15 साल से ट्विटर में काम कर रहे थे और चार साल से कंपनी के चीफ टेक्निकल ऑफिसर थे लेकिन जैक डोर्सी, मार्क जकरबर्ग या इलॉन मस्क की तरह हाई प्रोफाइल नहीं हैं. वॉल स्ट्रीट की निगाहें अब उत्सुकता से ट्विटर की ओर देख रही हैं क्योंकि ऐसी उम्मीद की जा रही है कि अग्रवाल कंपनी को इंटरनेट के अगले युग यानी मेटावर्स की ओर ले जाएंगे. सीएफआरए रीसर्च के विश्लेषक एंजेलो जीनो ने लिखा कि अग्रवाल एक सुरक्षित चयन हैं जिन्हें निवेशक पसंद करेंगे. जीनो ने इस बात पर भी जोर दिया कि ट्विटर की हिस्सेदार कंपनी इलियट मैनेजमेंट कॉर्प ने डोर्सी को पद छोड़ने के लिए मजबूर किया था. इलियट ने सोमवार को एक बयान जारी कर कहा कि अग्रवाल और बोर्ड के नए अध्यक्ष ब्रेट टेलर इस अहम वक्त में कंपनी के लिए सही अगुआ हैं. टेलर बिजनेस सॉफ्टवेयर बनाने वाली कंपनी सेल्सफोर्स के सीओओ हैं. भारतीयों की फेहरिस्त पराग अग्रवाल उन भारतीयों की लंबी सूची में अगला नाम हैं जो सिलिकॉन वैली की बड़ी कंपनियों का नेतृत्व कर रहे हैं. उनमें गूगल की मुख्य कंपनी अल्फाबेट के सुंदर पिचाई, माइक्रोसॉफ्ट के सत्य नाडेला और आईबीएम के अरविंद कृष्णा शामिल हैं. पराग अग्रवाल ने आईआईटी बॉम्बे से पढ़ाई की है.

इंजीनियरिंग की डिग्री के बाद उन्होंने अमेरिका की प्रतिष्ठित स्टैन्फर्ड यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर साइंस में पीएचडी की. उसके बाद माइक्रोसॉफ्ट और याहू में इंटर्नशिप भी की. 2011 में उन्होंने ट्विटर में काम शुरू किया था. तब कंपनी में सिर्फ 1,000 कर्मचारी हुआ करते थे. पिछले साल के आखिर में कंपनी के 5,500 कर्मचारी थे. जल्दी ही अग्रवाल का नाम हो गया. 2017 में वह चीफ टेक्निकल ऑफिसर नियुक्त किए गए. वह कंपनी की आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग नीतियों के लिए जिम्मेदार रहे.

पिछले पांच साल में छह लाख से ज्यादा ने छोड़ी भारतीय नागरिकता

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय नागरिकता छोड़ने वालों और ग्रहण करने वालों को लेकर सरकार ने संसद में जो जानकारी पेश की है, वह चौंकाने वाली है। इसके अनुसार बीते पांच सालों में छह लाख से ज्यादा लोगों ने भारतीय नागरिकता त्याग दी है। वहीं, इसी अवधि में 4177 लोगों को देश की नागरिकता दी गई।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा को बताया कि विदेश मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार 1 करोड़ 33 लाख 83 हजार 718 भारतीय नागरिक विदेशों में रह रहे हैं। एक सवाल के लिखित उत्तर में मंत्री राय ने कहा कि वर्ष 2017 में 1,33,049 लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ी। इसी तरह वर्ष 2018 में 1,34,561 ने, वर्ष 2019 में 1,44,017 ने, वर्ष 2020 में 85,248 ने और 30 सितंबर 2021 तक 1,11,287 ने देश की नागरिकता छोड़ी। गृह राज्यमंत्री ने मंगलवार को लोकसभा को बताया कि इसी तरह बीते पांच सालों में 10,645 लोगों ने भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन किया। इनमें से 4177 को यह प्रदान की गई। नागरिकता पाने का आवेदन करने वालों में 227 अमेरिका के, 7782 पाकिस्तान के, 795 अफगानिस्तान के और 184 बांग्लादेश के हैं।

कंटेनर ओवरटेक करने के दौरान हुए भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत

कानपुर (आरएनएस)। सचेंडी हाईवे पर मंगलवार दोपहर कंटेनर ओवरटेक करने के दौरान हुए भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि कंटेनर चालक भी गंभीर रूप से घायल हो गया।चंद कदमों की दूरी पर स्थित सचेंडी थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कंटेनर चालक को पास के निजी हॉस्पिटल लेकर गई। वही घटना के शिकार अन्य दो राहगीरों को हैलट अस्पताल भेजा। हालांकि कंटेनर चालक की भी हालत नाजुक बताई जा रही है।

चकरपुर मंडी अंडरपास के ऊपर कानपुर देहात की ओर जा रहा तेज रफ्तार कंटेनर आगे चल रही डीसीएम को ओवरटेक करते समय बेकाबू होकर डिवाइडर पर चढ़ गया। इस दौरान सड़क पार करने के लिए डिवाइडर पर खड़े दो लोगों को रौंदता हुआ कंटेनर आगे चल रही डीसीएम में जा घुसा। हादसे में दोनों राहगीरों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि कंटेनर चालक भी गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने हादसे के शिकार कंटेनर चालक को पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वही हादसे का शिकार हुए दोनों राहगीरों के शवों को हैलट भेज दिया। वहीं घटनास्थल पर टक्कर के बाद डीसीएम के बीच सड़क पर आ जाने से यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। सचेंडी थानाध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने बताया कि डीसीएम को ओवरटेक करने के दौरान घटना में हादसा हुआ है। अभी तक घटना के शिकार किसी भी व्यक्ति के संबंध में जानकारी प्राप्त नहीं हो पाई है। आसपास के लोगों से बातचीत कर शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है।घटना के बाद यातायात पूरी तरह बाधित हो जाने के चलते देखते ही देखते हाईवे पर लगभग पांच किलोमीटर लंबा भीषण जाम लग गया।

चीन की हरकतों पर भारत की पैनी नजरे

» लद्दाख में तैनात किए चार इजरायली ड्रोन

नई दिल्ली (आरएनएस)। चीन की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के लिए भारतीय सेना ने अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए इजरायल से 4 हेरॉन ड्रोन मंगाए हैं उन्हें लद्दाख सेक्टर में तैनात किए गए हैं। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन की विस्तारवाद कोशिशों के बाद भारत ने अप्रैल 2020 के बाद से अपने सैनिकों की तैनाती बढ़ा दी है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक शीर्ष सरकारी सूत्रों ने बताया कि निगरानी के लिए लद्दाख में एलएसी पर चार ड्रोन तैनात किए गए हैं। ये चारो नए ड्रोन वर्तमान में सबसे अधिक

एडवांस हैं। सूत्रों ने कहा कि एडवांस ड्रोन की एंटी-जैमिंग क्षमता उनके पिछले संस्करणों की तुलना में काफी बेहतर है। सूत्रों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा रक्षा बलों को दी गई आपातकालीन वित्तीय शक्तियों के तहत ड्रोन हासिल किए गए थे। भारतीय सेना जल्द ही अमेरिका से प्रीडेटर ड्रोन हासिल करेगी, जिससे देश की मानवरहित निगरानी और हमले की क्षमता को और बढ़ावा मिलेगा।

अमेरिका से 30 प्रीडेटर ड्रोन खरीदने की तैयारी में भारत- भारत संयुक्त राज्य अमेरिका से लगभग 21,000 करोड़ रुपये के 30 प्रीडेटर ड्रोन प्राप्त करने के काफी करीब है। लंबे समय से इसकी प्रतीक्षा की जा रही है। करीब 21,000 करोड़ रुपये के इस अधिग्रहण पर चर्चा के लिए हाल ही में रक्षा मंत्रालय में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई। ड्रोन उन्नत प्रणालियों और हथियारों के पैकेज से लैस होंगे और लंबी दूरी की निगरानी और सटीक हमलों को सक्षम करेंगे। रिपोर्टों में कहा गया है कि भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना में से प्रत्येक को अनुकूलित निर्देशों के साथ प्रत्येक को 10 ड्रोन मिलेंगे। रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया 2020 और रक्षा खरीद नियमावली 2009 के तहत हथियार प्रणालियों को पट्टे पर देने का प्रावधान किया गया है। इससे भारत को खर्च में कटौती करने में मदद मिलती है, क्योंकि रखरखाव की जिम्मेदारी भी विक्रेता के पास होती है। पिछले कुछ वर्षों में, भारतीय सशस्त्र बल निगरानी आवश्यकताओं के लिए अमेरिकी प्रणालियों में विश्वास दिखा रहे हैं। भारतीय नौसेना पहले से ही नौ पी-8आई लंबी दूरी के निगरानी विमानों का उपयोग कर रही है और अगले कुछ वर्षों में नौ और मिलने की उम्मीद है।